परमाणु हमले का जवाब देने को तैयार हैं पुतिन

हमला

रूस के पास अब 4,477 महाविनाशक बम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया है। रूस की सेना ने यूक्रेन पर मिसाइलों, रॉकेट और लड़ाकू विमानों से हमला करना शुरू कर दिया है। पुतिन ने धमकी दी है कि अगर नाटो या किसी अन्य विदेशी ताकत ने हस्तक्षेप किया तो करारा जवाब दिया जाएगा। पुतिन की सेना की इस भीषण कार्रवाइ के बीच अमेरिकी वैज्ञानिकों ने खुलासा किया है कि रूस ने अपने परमाणु हथियारों के जखीरे को अत्याधुनिक बना दिया है। रूस के पास परमाणु हथियारों की संख्या अब 4477 तक पहुंच गई है। फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक रूस के पास कुल 4,477 परमाणु बमों में 2,565 स्ट्रेटजिक और 1,912 नॉन स्ट्रेजिक हैं। वैज्ञानिकों ने कहा कि रूस अपने परमाणु बल और उसके आधारभूत ढांचे में तेजी से आधुनिकीकरण कर रहा है। वैज्ञानिकों ने कहा कि रूस ने यूक्रेन की सीमा पर कई ऐसे लॉन्चर तैनात किए हैं जिसकी मदद से परमाणु बम को भी गिराया जा सकता है। हालांकि परमाणु बम तैनात किए जाने के अभी कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं।

परमाणु जखीरे में आधुनिक हथियारों की तादाद 89.1 प्रतिशत तक: अमेरिकी वैज्ञानिकों ने कहा कि रूस पिछले एक दशक से अपने परमाणु हथियारों को आधुनिक बना रहा है। रूस सोवियत जमाने के परमाणु हथियारों की जगह पर नए हथियार तैनात कर रहा है। दिसंबर 2021 में रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू ने बताया था कि उसके परमाणु जखीरे में आधुनिक हथियारों और उपकरणों की तादाद 89.1 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इससे पहले साल 2020 में यह 86 प्रतिशत था। पुतिन ने पिछले साल कहा था कि रूस की परमाणु सेना को अपने प्रतिद्वंद्वियों के साथ रफ्तार बनाए रखने की जरूरत है। पुतिन ने साल 2021 में कहा था, यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है कि अलग थलग पड़े रहा जाय। आज के समय में सशस्त्र बलों के लिए महत्वपूर्ण हर क्षेत्र में बदलाव की गति आज बहुत तेज है। यह फार्मूला वन की रेस नहीं है। यह सुपरसोनिक रफ्तार से तेज है। आप एक सेकंड थम जाते हैं तो आप तत्काल दूसरे से पीछे छूटना शुरू हो जाते हैं। अपने भाषण में पुतिन ने रूस के आसपास वैश्विक मिसाइल डिफेंस सिस्टम तैनात किए जाने की कड़ी आलोचना की थी। पुतिन ने कहा कि अमेरिका हवाई रक्षा उपकरण तैनात करने के नाम पर हमला करने में सक्षम हथियार तैनात कर रहा है जिसके निशाने पर रूस है।

नाटो देश यूक्रेन मामले में सैन्य मदद करने का साहस नहीं कर पा रहे: इससे पहले रूस ने हमला करने से पहले यह भी दावा किया था कि यूक्रेन परमाणु हथियार पाने की कोशिश कर रहा है। पुतिन इन परमाणु हथियारों का खौफ है कि अमेरिका समेत नाटो देश यूक्रेन मामले में सैन्य मदद करने का साहस नहीं कर पा रहे हैं। कहा जा रहा है कि रूस के साथ अब बेलारूस की सेना मिलकर यूक्रेन पर हमले कर रही है लेकिन नाटो देश सेना भेजने से कतरा रहे हैं।

न्यूज डायरी

बाइडन ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने का किया ऐलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। यूक्रेन में रूस के भीषण हमले के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति से फोन पर बातचीत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह ऐलान किया है। इससे पहले ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि अमेरिका अपनी सेना को यूक्रेन की मदद के लिए भेज सकता है लेकिन बाइडन ने इस पर कोई ऐलान नहीं किया है। बाइडन ने कहा कि वह रूसी हमले की निंदा करते हैं और यूक्रेन को मदद देते रहेंगे। बाइडन ने कहा, अभी अभी मेरी राष्ट्रपति जेलेन्स्की से बातचीत हुई है। मैं रूसी सेना के बिना ऊकसावे और अनुचित हमले की निंदा करता हूं। मैंने यूक्रेन के राष्ट्रपति को उनके कदमों के बारे में बताया है जो हम अंतरराष्ट्रीय निंदा के लिए उठा रहे हैं। इसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद शामिल है। राष्ट्रपति जेलेन्स्की ने मुझे दुनियाभर के नेताओं से राष्ट्रपति पुतिन के कदम की निंदा करने और यूक्रेन के लोगों के साथ का अनुरोध किया।

कीव में धमाके, यूक्रेन का दोनबास इलाका, जहां से घुस रही है रूस की सेना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश के बाद रूसी सेना ने यूक्रेन के अंदर हमले शुरू कर दिए हैं। यूक्रेन की राजधानी कीव में जोरदार धमाके की आवाजें सुनी गई हैं। रूस के राष्ट्रपति ने यूक्रेन के दोनबास इलाके में रूसी सेना को घुसने का आदेश दिया है। रूसी राष्ट्रपति ने धमकी दी है कि दुनिया के किसी देश ने इसमें हस्तक्षेप की कोशिश की तो परिणाम भयानक होंगे। यूक्रेन के पूर्वी इलाके में स्थित डोनेट्स्क और लुहान्स्क सम्मिलित रूप से डोनबास क्षेत्र के नाम से जाना जाता है। दोनबास इलाके में रूस के समर्थन वाले अलगाववादियों का कब्जा है। यूक्रेन के ये इलाके 2014 से ही यूक्रेनी सरकार के नियंत्रण से बाहर हैं और खुद को स्वतंत्र पीपुल्स रिपब्लिक घोषित किया हुआ है। हालांकि, महत्वपूर्ण बात यह है कि इन इलाकों को रूस और बेलारूस ने ही मान्यता दी है।

प्रधानमंत्री इमरान खान को अमेरिका की सीधी नसीहत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाशिंगटन। रूस और यूक्रेन के हालात के बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान दो दिवसीय रूस दौरे पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की मास्को यात्रा पर संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिक्रिया आई है। अमेरिका ने कहा कि रूस द्वारा यूक्रेन पर लिए गए फैसलों पर आपत्ति जताना हर जिम्मेदार देश की जिम्मेदारी है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बुधवार को कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन के हालात पर पाकिस्तान को अपनी स्थिति से अवगत करा दिया है। नेड प्राइस ने एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि अमेरिका यूक्रेन के साथ अपनी साझेदारी को अमेरिकी हितों के लिए महत्वपूर्ण मानता है। इसलिए हमने रूस द्वारा यूक्रेन पर लिए गए फैसलों के बारे में अपनी स्थिति से पाकिस्तान को अवगत करा दिया है और हमने उन्हें युद्ध पर कूटनीति को आगे बढ़ाने के अपने प्रयासों के बारे में जानकारी दी है।

रूस ने यूक्रेन पर हमला कर बता दी अमेरिका समेत यूरोपीय देशों को उनकी औकात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। रूस पूरी तरह से यूक्रेन के खिलाफ युद्ध का एलान कर चुका है, अब आगे क्या होगा? ये एक ऐसा सवाल है जिसका जवाब जानने के लिए हर कोई उत्सुक है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि इस लड़ाई का कोई एक पक्ष नहीं है। इसमें जहां अमेरिका को फैसला लेना है वहीं भारत को भी फैसला करना होगा। इसके अलावा दूसरे देशों को भी ऐसा ही निर्णय लेना होगा। विदेश मामलों के जानकार और जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर पुष्पेश पंत का मानना है कि रूस ने अपना आक्रामक रूप दिखाकर न सिर्फ पश्चिम देशों को बल्कि समूचे यूरोप और खुद को दुनिया की महाशक्ति बताने वाले अमेरिका को उसकी औकात बता दी है।

स्थिति एक बड़े संकट में तब्दील होने के कगार पर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

न्यूयार्क। रूस ने गुरुवार सुबह यूक्रेन पर हमला बोल दिया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन पर हमले का एलान किया। हमले की घोषणा के बाद यूक्रेन की राजधानी कीव में कुछ धमाके भी हुए हैं। उधर, रूस और यूक्रेन के बीच तनाव को लेकर भारत ने चिंता जाहिर की है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हुई बैठक में भारत ने दोनों देशों से तनाव कम करने का आग्रह किया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि हम तत्काल डी–एस्केलेशन का आह्वान करते हैं और आगे की किसी भी कार्रवाई से परहेज करते हैं जो स्थिति को बिगड़ने में योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि स्थिति एक बड़े संकट में तब्दील होने के कगार पर है। अगर इसे सावधानी से नहीं संभाला जाता तो यह सुरक्षा को कमजोर कर सकता है। सभी पक्षों की सुरक्षा को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

यूक्रेन में फंसे 20 हजार छात्र: यूक्रेन में भारत के 20 हजार से अधिक छात्र फंसे हैं। हम छात्रों सहित सभी भारतीय नागरिकों की वापसी के लिए सुविधा प्रदान कर रहे हैं।

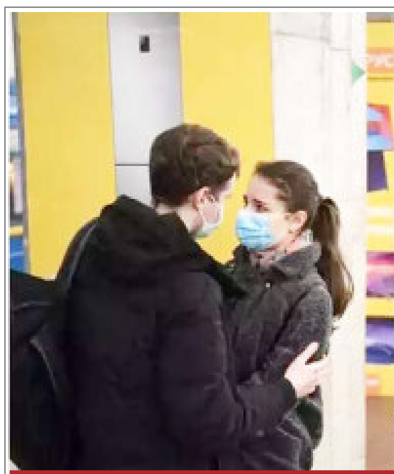

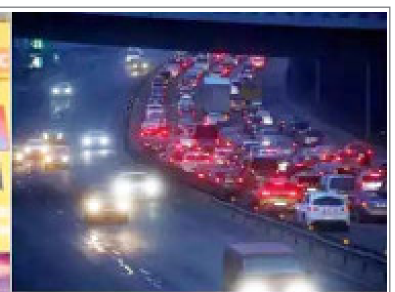

कीव में युद्ध के साइरन की आवाजें, सड़कों पर गाड़ियों का रेला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में मिलिट्री ऑपरेशन को मंजूरी दे दी। यूक्रेन की राजधानी कीव में धमाके सुनाई दिए। इसके बाद हवाई हमले को लेकर सायरन भी बजाया गया। कीव, डोनबास खार्कि, ओडेसा समेत कई इलाकों में धमाके सुने गए। मौके पर मौजूद रिपोर्टर्स ने सोशल मीडिया पर कई विजुअल्स शेयर किए हैं जिनमें विस्फोट का गुबार देखा जा सकता है। यूक्रेन के कई इलाकों में अफरातफरी का माहौल है। कीव में लंबे जाम की सूचना है, लोग भाग रहे हैं। एयर साइरन के जरिए भी लोगों को चेतावनी दी गई।

क्या सही मौके पर आया हूं, बड़ा एक्साइटमेंट हो रहा: इमरान खान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मॉस्को। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान इस वक्त रूस के दौरे पर हैं। यह 23 साल में किसी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री का पहला रूस दौरा है। मौजूदा तनाव को देखते हुए उनकी रूस यात्रा पर कई तरह के सवाल भी खड़े हो रहे हैं। अमेरिका ने भी इमरान खान के दौरे पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। अमेरिका ने कहा कि यह हर जिम्मेदार देश की जिम्मेदारी है कि वह यूक्रेन में रूस की गतिविधियों पर आपत्ति जताए। अमेरिका ने पाकिस्तान को यूक्रेन तनाव पर अपनी भूमिका से अवगत कराया है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बुधवार को एक प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान यह जानकारी दी।

प्राइस ने कहा कि अमेरिका यूक्रेन के साथ अपनी साझेदारी को अमेरिकी हितों के लिए महत्वपूर्ण मानता है। इमरान खान बुधवार को मॉस्को के लिए रवाना हुए थे। अपने दो दिवसीय दौरे पर वह खान पुतिन के साथ बैठक और आर्थिक सहयोग सहित कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इमरान खान ऐसे वक्त पर रूस पहुंचे हैं जब रूसी सेना यूक्रेन पर हमला कर चुकी है और लगातार बम बरसा रही है। गुरुवार सुबह से ही राजधानी कीव और अलग–अलग शहरों में धमाके हो रहे हैं जिसके बाद यूक्रेन इसे फुल स्केल अटैक कहा है।

इमरान की रूस में यह मक्खनबाजी

इस बीच इमरान खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि यह उनके मॉस्को में लैंडिंग के बाद का है। वीडियो में इमरान खान के साथ पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी भी नजर आ रहे हैं। इमरान खान को वीडियो में कहते सुना जा सकता है, मैं कितने सही समय पर यहां आया हूं, मैं बहुत उत्सुक हूं। कुछ देर बाद वह दोहराते हैं, मैं बहुत उत्सुक हूं। इमरान खान जब मॉस्को में हैं तब रूस की सेना यूक्रेन में घुस चुकी है और पुतिन पूर्वी यूक्रेन में एक स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन का आदेश दे चुके हैं।

रूस–यूक्रेन युद्ध का असर, सेंसेक्स को लगा इस साल का सबसे बड़ा झटका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष के चलते गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार बुरी तरह गिर गया। इस बीच सेंसेक्स ने इस साल की सबसे बड़ी गिरावट देखी और यह 2542 अंक तक टूटकर 55 हजार के स्तर पर पहुंच गया। साल 2022 के शुरु होने के बाद से सेंसेक्स की ये चौथी बड़ी गिरावट है। इस गिरावट के कारण कुछ ही मिनटों में निवेशकों के 08 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा डूब गए। साल 2020 में कोरोना महामारी का दौर शुरु होने के बाद से शेयर बाजार कई बार धराशयी हुआ है। सेंसेक्स ने महामारी के दौरान अब तक के इतिहास की कई बड़ी गिरावटें देखी हैं। इनमें सबसे बड़ी गिरावट 23 मार्च 2020 को आई थी जब सेंसेक्स 3934 अंक टूट गया था। इसके बाद कई ऐसे मौके आए जब सेंसेक्स ने निवेशकों का भारी नुकसान कराया। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में खुलने के साथ ही आई बड़ी गिरावट का वैसे तो प्रमुख कारण रूस और यूक्रेन के बीच शुरू हुआ संघर्ष है।